‘हमारी सरकार प्रदेश के साहित्य तथा सांस्कृतिक विरासत को संजोने के लिए प्रतिबद्ध’

मुख्यमंत्री ने की सभी से साहित्य को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति एवं साहित्य अद्भुत है। यहां वृक्षों, पेड़ों, पहाड़ों और नदियों को पूजा जाता है। हमें अपनी इस सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए आगे बढ़ना है, ताकि आगामी पीढ़ी इससे प्रेरणा ले तथा गर्व की अनुभूति करे।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के विकास के साथ-साथ अपनी संस्कृति और साहित्य के विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी से साहित्य को जीवन का हिस्सा बनाने की भी अपील की।शर्मा गुरुवार को जयपुर में आयोजित जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती सदियों से ज्ञान, कला और संस्कृति की संवाहक रही है। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल विचारों का उत्सव एवं महासागर है। यह आयोजन साहित्य के साथ राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को और अधिक उजागर करने में मददगार साबित होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर में आयोजित लिटरेचर फेस्टिवल के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए।

- इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेम चंद बैरवा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार, जेएलएफ डायरेक्टर नमिता , उपस्थित रहे

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान साहित्य, संगीत और कला की पुण्य भूमि है। यहां आमेर के किले से लेकर हवा महल तक हर विरासत में संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। पृथ्वीराज रासो राजस्थान की वीरगाथात्मक संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मीरा की भक्ति, ढोला-मारू की कहानियां आज भी करोड़ों हृदयों को स्पर्श करती है। विजयदान देथा, कन्हैयालाल सेठिया, कोमल कोठारी जैसे साहित्यकार राजस्थान की साहित्यिक और सांस्कृतिक चेतना की मशाल हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरा भक्ति और शक्ति की धरा है। महाराणा प्रताप, पन्नाधाय, अमृता देवी जैसे शूरवीरों ने अपने त्याग, बलिदान और समर्पण से प्रदेश की मिट्टी को गौरवान्वित किया है।

शर्मा ने कहा कि किताबें जीवन को समझने का नया दृष्टिकोण देती हैं। साथ ही साहित्य मनुष्य को संवेदना और करुणा से जोड़कर चिंतनशील और विनम्र बनाता है। हमारे पूर्वजों ने ज्ञान, विज्ञान, अनुसंधान और जनकल्याण के ग्रंथ श्लोक में लिखे और इस ज्ञान को साहित्य के द्वारा लोगों तक पहुंचाकर लोकप्रिय बनाया। उन्होंने कहा कि मुगल आक्रांताओं के विरुद्ध वीरों को प्रेरित करने, आजादी के आंदोलन में सेनानियों में जोश भरने, आपातकाल के दिनों में तानाशाही शासन को चुनौती देने से लेकर युद्ध में सेना का हौसला बढ़ाने तक हर समय साहित्य ने राष्ट्रनिर्माण का कार्य किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेम चंद बैरवा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, जेएलएफ डायरेक्टर नमिता गोखले, विलियम डेलरिंपल, टीमवर्क आर्ट्स के एमडी संजय रॉय सहित ख्यातनाम लेखक, साहित्यकार एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

शराब की बोतलों पर सचित्र चेतावनी क्यों नहीं : हाईकोर्ट

‘उपभोक्ताओं में कैंसर को लेकर जागरूकता फैल सके’

- शराब की बोतलों पर कैंसर की स्पष्ट और सचित्र वैधानिक चेतावनी नहीं करने परजवाब तलब किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में बेची जा रही शराब की बोतलों पर कैंसर की स्पष्ट और सचित्र वैधानिक चेतावनी नहीं करने पर स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय मंत्रालय, मुख्य सचिव, प्रमुख आबकारी सचिव, एफएसएसएआई और आबकारी आयुक्त से जवाब तलब किया है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश अवनीन्द्र मिश्रा की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

जनहित याचिका में बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत मादक पदार्थों के लेबल पर अंग्रेजी भाषा में वैधानिक चेतावनी प्रकाशित करने का प्रावधान किया गया है। वहीं एम्स, दिल्ली के तीन वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भी अपनी रिपोर्ट में माना है कि मादक पदार्थों के कैंसर की वैधानिक चेतावनी का प्रकाशन किया जाना चाहिए। इसके बावजूद शराब की बोतलों पर कोई स्पष्ट और प्रभावी वैधानिक चेतावनी प्रकाशित नहीं की जाती। याचिका में यह भी कहा गया कि अधिकांश शराब पीने वाले लोग निरक्षर या बहुत कम पढे-लिखे होते हैं। ऐसे में शराब की बोतल पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी सचित्र और स्थानीय भाषा में होनी चाहिए। इसके अभाव में शराब का उपभोग करने वालों को यह जानकारी ही नहीं मिल पाती कि इसे पीने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने संबंधित अधिकारियों को अभ्यावेदन देकर शराब की पैकेजिंग पर सचित्र और स्थानीय भाषा में वैधानिक चेतावनी प्रकाशित करने की गुहार की, जिससे इसके उपभोक्ताओं में कैंसर को लेकर जागरूकता फैल सके और स्वास्थ्य संबंधी खतरा कम हो सके। इसके बावजूद भी अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

पेड काटना गंभीर, दोषी अधिकारियों पर एक लाख रुपए का हर्जाना

- अदालत ने दौसा जिले के सिकराय के तत्कालीन एसडीएम सहित अन्य दोषी अफसरों पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायत भवन बनाने के लिए बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति और तय संख्या से कई गुणा पेड़ काटने को गंभीर माना है। इसके साथ ही अदालत ने दौसा जिले के सिकराय के तत्कालीन एसडीएम सहित अन्य दोषी अफसरों पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश विमला देवी की जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि सार्वजनिक उपयोग के लिए भवन निर्माण जरूरी हो सकता है, लेकिन इको सिस्टम को बनाए रखने के लिए मौजूदों पेडों की रक्षा करना भी उतना ही जरूरी है। भवन निर्माण योजना इस तरह बनाई जानी चाहिए की वृक्षों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जनहित याचिका दायर होने के बाद वर्तमान एसडीएम ने नए पौधे लगाए हैं। जनहित याचिका में अधिवक्ता आरके शर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायत पाटन का भवन बनाने के लिए तत्कालीन स्थानीय एसडीएम ने बिना अधिकार पेड़ काटने की अनुमति दे दी। एसडीएम ने 17 बडे और 8 छोटे पेड़ काटने की अनुमति दी थी, लेकिन प्रशासन ने करीब 150 पेड़ काट दिए। वहीं राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र पेश कर कहा गया कि पंचायत भवन के निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई के बदले अलग से भूमि चिन्हित कर वहां करीब पांच सौ पेड़ लगाए गए हैं।

इस पर अदालत ने कहा कि सरकार के शपथ पत्र में केवल 25 पेड काटने की बात कही है, लेकिन पेश किए गए दस्तावेजों से साबित है कि यह क्षेत्र घने वृक्षों से भरा हुआ था, जिन्हें अवैध रूप से काटा गया है।

वहीं संबंधित एसडीएम ने वृक्षों की कटाई के लिए किसी भी प्राधिकरण से कोई अनुमति नहीं ली है।

जयपुर सेंट्रल जेल में बंदियों के बीच झगड़ा, दो जेल प्रहरी घायल

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में बंदियों के बीच आपसी विवाद भड़क गया। जिसमें दोनों गुटों के बीच धक्का-मुक्की हुई और बीच-बचाव करने पर दो जेल प्रहरियों के घायल होने की खबर सामने आई है। इस संबंध में थाने में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

लालकोठी थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि जेल में बंदियों को बाहर निकालकर गिनती की जा रही थी। इसी दौरान हाथ लगाने को लेकर विचाराधीन और सजायाफ्ता बंदियों में विवाद बढ़ गया और मारपीट तक पहुंच गया। घटना के समय दो जेल प्रहरी बीच-बचाव करने पहुंचे, लेकिन उन्हें भी चोटें आई। थाने में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। जहां विचाराधीन बंदी संतोष उर्फ बच्चा नागल ने दंडित बंदी हरिशंकर और विष्णु के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। संतोष ने आरोप लगाया कि पिछले करीब पन्द्रह दिन से ये बंदी जेल प्रहरियों की मदद के बहाने उसके साथ गलत व्यवहार कर रहे थे। सुबह गिनती के दौरान दंडित बंदी हरिशंकर ने उसे गेट से बाहर निकालकर धक्का दिया, जिससे झगड़ा शुरू हुआ।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर निगम का बड़ा प्रहार, 1.32 लाख का कैरिंग चार्ज वसूला

- 150 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त, प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई

जयपुर। नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा ने नगर निगम आयुक्त डॉ गौरव सैनी के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार के नेतृत्व में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ बड़ी और सख्त कार्रवाई की गई। इस अभियान में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, जयपुर एवं नगर निगम जयपुर के चालान प्रकोष्ठ (स्वास्थ्य शाखा) की संयुक्त टीम शामिल रही।संयुक्त कार्रवाई के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण कर प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग, भंडारण एवं वितरण में लिप्त प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई। मौके से करीब 150 किलोग्राम प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक जब्त किया गया। कार्रवाई के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों से कैरिंग चार्ज की राशि 1,32,100 रुपये (एक लाख बत्तीस हजार एक सौ रुपये) वसूल की गई।अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार ने स्पष्ट किया कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है और इसके खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने व्यापारियों और आम नागरिकों से प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। नगर निगम जयपुर ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। चाकसू थाना पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से बाइक जब्त कर अन्य वाहन चोरी की वारदातों के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि चाकसू इलाके में बजाज शोरूम के पास से 31 दिसंबर 2025 को एक अज्ञात बदमाश ने मोटरसाइकिल चोरी कर ली थी। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विशेष टीम के गठन के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजेंद्र उर्फ गोलू सैनी (22) निवासी निवाई जिला को गिरफ्तार किया।

‘पतंजलि में गुणवत्ता व मानकों का शीर्ष प्राधिकरण’

हरिद्वार/जयपुर। पतंजलि विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के तत्वावधान में, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से अमेरिका की शैक्षणिक शाखा ग्लोबल नॉलेज फाउंडेशन, निदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो, देहरादून और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड ईस्टर्न शोर के बिजनेस, मैनेजमेंट और अकाउंटिंग विभाग की संयुक्त पहल में ‘स्वास्थ्य सेवा और प्रबंधन में स्मार्ट तकनीकों के एकीकरण’ पर त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 15-17 जनवरी को पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन एवं विश्वविद्यालय के सहयोग से सभागार में आयोजित की गई। संगोष्ठी का आयोजन स्मार्ट तकनीकों के एकीकरण के माध्यम से प्रौद्योगिकी-प्रेरित, दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर जन-स्वास्थ्य सुधार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया।

- सनातन संस्कृति का गौरव वैश्विक स्तर पर स्थापितः श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण

‘स्वास्थ्य सेवा और प्रबंधन में स्मार्ट तकनीकों के एकीकरण’ पर त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई।

पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न देकर किया। शुभारंभ दीप प्रज्वलन, धन्वंतरि वंदना और चंद्रमोहन व उनकी टीम के समूहगान से हुआ।

कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन कुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल ने दिया, तत्पश्चात आचार्य एवं अतिथियों ने सार पुस्तक का लोकार्पण किया।

अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. देव शर्मा ने कबीर के दोहे के माध्यम से सेवा और लोककल्याण पर जोर दिया, डिजिटल स्वास्थ्य प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और एआई-सहायित स्मार्ट प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षित, प्रभावी और उन्नत चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता रेखांकित की। कार्यक्रम में आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने कहा कि आधुनिक एआई जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है, पर नैतिकता आवश्यक है। उन्होंने सिंक्रोना सिटी, नवाचार, स्टार्टअप्स और पतंजलि द्वारा भारतीय ज्ञान और सनातन मूल्यों के संरक्षण पर भी बल दिया।

अपने प्रेरक संबोधन में पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि ‘सहस्त्र चंद्र दर्शन’ भारतीय सनातन परंपरा में दीर्घायु, स्वस्थ और ज्ञानपूर्ण जीवन के उत्सव का प्रतीक है, जिसका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व अत्यंत गहरा है। उन्होंने बताया कि सनातन के मूल सिद्धांत खेती और किसान के जीवन में रचे-बसे हैं, जहाँ प्राकृतिक कृषि, पंचमहाभूतों के सम्मान और प्रकृति से सामंजस्य के माध्यम से सुखी एवं संतुलित जीवन का संदेश निहित है। आज सनातन संस्कृति का गौरव वैश्विक स्तर पर स्थापित हो रहा है। उन्होंने भूमंडलीकरण की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि इससे विश्व के देश आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं, जिससे विश्व ‘वैश्विक गांव’ बन रहा है। इस संदर्भ में ‘वसुधैव कुटुंबकम्’ का सिद्धांत वैश्विक एकता, साझा उत्तरदायित्व और सामूहिक समाधान की भावना को सुदृढ़ करता है।

वसुन्धरा राजे ने ‘आशीर्वाद पदयात्रा’ को हरीझंडी दिखाकर रवाना किया

झालावाड़। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि जब वे सांसद थी,तब पदयात्रा करती थी।पावों में छाले पड़ जाते तो उन्हे पिन से फोड़ कर आगे बढ़ जाती।उन्होंने कहा ‘मैं चलती रही उम्रभर दुआओं के साथ,पांव के छाले कभी मेरी राहें नहीं रोक पाए।’ वे उन्हेल में सांसद दुष्यंत सिंह की ‘आशीर्वाद पदयात्रा’ को हरीझंडी दिखाकर रवाना कर रही थी। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा’ इस क्षेत्र की उन्नित,विकास और आपके विश्वास की यात्रा है।ज्यादातर नेता चुनाव के समय आते हैं और चुनाव जीत कर चले जाते हैं।पूरे पाँच साल एसी में रहते हैं।पर हम ऐसा नहीं करते।हम हमारे क्षेत्र को परिवार मानते हैं।हम क्षेत्र के लोगों को मतदाता नहीं,भाग्य निर्माता मानते हैं। राजे ने कहा आपके सांसद दुष्यंत सिंह हमेशा जनता के बीच रहते हैं।सब जगह पहुँचने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा यह यात्रा राजनीतिक यात्रा नहीं,यह यात्रा अपनों की,अपनों के लिए अपनों के द्वारा यात्रा है।जन-जन से जुड़ने,जनता की आवाज़ सुनने और लोगों के सपनों को पूरा करने की यात्रा है। इस यात्रा का लक्ष्य है हर नागरिक का सम्मान हो।हर नागरिक का उत्थान हो। हर वाजिब समस्या का समाधान हो। यह एक ऐसी यात्रा है,जिसमें सांसद आपके खेतों की मिट्टी, आपके बच्चों की मुस्कान,आपकी मेहनत को अपनाने आयें हैं।आपकी तकलीफ़ को गले लगाने आयें हैं।

भाजपा में आज वीबी-जी रामजी पर कार्यशाला

जयपुर। विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) - वीबी-जी रामजी विषय पर शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। वीबी जी रामजी अभियान के प्रदेश संयोजक जसवंत सिंह बिश्नोई ने बताया कि वीबी-जी रामजी की कार्यशाला में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर की गरिमामय उपस्थिति रहेगी।

बिश्नोई ने बताया कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में सुबह 10 बजे से आयोजित कार्यशाला में प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, सभी विधायक, जिलाध्यक्ष, वीबीजी रामजी से जुड़े जिला संयोजक, प्रवक्ता-पेनेलिस्ट, मोर्चा, आयोग और बोर्ड अध्यक्ष भाग लेंगे।

जयपुर लो फ्लोर बस कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन, 21को आंदोलन की चेतावनी

जयपुर। जयपुर लो फ्लोर बसों के कर्मचारियों ने बुधवार को बगराना आगार पर जेसीटीएसएल एम्पलाईज यूनियन (एटक) के बैनर तले 19 सूत्रीय मांगों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने जेसीटीएसएल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की।

यूनियन अध्यक्ष बोदूराम वर्मा ने बताया कि जेसीटीएसएल प्रबंधन पिछले लगभग एक वर्ष से कर्मचारियों की मांगों और समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है और अब तक कोई ठोस व परिणामात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। इससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आंदोलन की अगली कड़ी में 21 जनवरी 2026 को जेसीटीएसएल मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यदि इसके बाद भी मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज करते हुए कार्य बहिष्कार या हड़ताल का रास्ता अपनाया जा सकता है।कर्मचारियों के वेतन से एनपीएस के तहत काटी गई करोड़ों रुपये की राशि को शीघ्र उनके खातों में जमा कराया जाए। ब्रेकडाउन बसों का दबाव बनाकर संचालन करवाना तुरंत बंद किया जाए। चालकों को जिला पूल/मोटर गैराज में मर्ज किया जाए। मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को पेंशन सुविधा प्रदान की जाए।

कर्मचारियों ने बगराना आगार पर जेसीटीएसएल एम्पलाईज यूनियन के बैनर तले 19 सूत्रीय मांगों को विरोध प्रदर्शन किया।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने 28वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को नई दिल्ली में संसद के ऐतिहासिक संविधान भवन में राष्ट्रमंडल देशों के 28 वें संसदीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संबोधित किया।

इस अवसर पर विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला और केन्द्रीय मन्त्रियों जे पी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल, भागीरथ चौधरी के साथ ही प्रदेश के सांसदों ,विभिन्न प्रदेशों के विधानसभाध्यक्षों, संसद सदस्यों और अन्य कई नेताओं से शिष्टाचार भेंट की । 28वें संसदीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में आईपीयू की प्रेसीडेंट, सीपीए के चेयरपर्सन, राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारीगण, भारत सरकार के मंत्रीगण, राज्य विधान मंडलों के पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया ।विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों को संबोधित करते हुए दिए गए प्रभावशाली भाषण को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और जनभागीदारी की मजबूती पर जोर देते हुए राष्ट्रमंडल देशों के बीच सहयोग, श्रेष्ठ संसदीय प्रथाओं के आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण के साथ ही साझा चुनौतियों का मिल कर समाधान करने का आ ान किया है। इस संदेश से राष्ट्रमंडलीय देश भी अपने - अपने देशों में लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को अपनाकर भारत की तरह ही विकास के मार्ग पर आगे बढ़ सकते है ।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने बताया कि नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ देशों के सम्मेलन के बाद स्पीकर्स का 17 जनवरी को जयपुर भ्रमण का कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों के सम्मान में जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में 17 जनवरी को सायं राज्य विधानसभा द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि भोज का आयोजन रखा गया है।

सभी स्पीकर्स का गुलाबी नगर जयपुर पहुंचने पर भारतीय परम्परा के अनुसार स्वागत किया जायेगा। इसमें लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य मंत्री परिषद के सदस्यगण और नेता प्रतिपक्ष भी शामिल होंगे। इस अवसर पर कॉमनवेल्थ देशों के स्पीकर्स का सम्मान भी किया जायेगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को नई दिल्ली में संसदीय सम्मेलन में शामिल हुए।

- राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकर्स 17 जनवरी को आएंगे जयपुर
- देवनानी ने ओम बिरला और केन्द्रीय मन्त्रियों जे पी नड्डा व अन्य कई नेताओं से शिष्टाचार भेंट की

आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आर्मी डे परेड का आयोजन जयपुर स्थित महल रोड जगतपुरा में किया गया जिसमें हजारों लोग इस कार्यक्रम के साक्षी बने आर्मी डे परेड में सड़क पर ब्रह्मोस मिसाइल अर्जुन टैंक भीष्म व कई आधुनिक हथियारों को देख लोगो ने भारत माता की जय लगाई। अपाचे हेलीकॉप्टर व जगुआर भीनज़र आये।